DEPARTMENT OF HINDI, GAUHATI UNIVERSITY

REVISED NEP-2020 FYUGP & FYIMP SYLLABI

(PASSED IN THE CCS HINDI MEETING HELD ON 23.05.2025)

हिन्दी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम एवं पंच-वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर कार्यक्रम का संशोधित पाठ्यक्रम

[दिनांक 23.05.2025 को आयोजित सीसीएस (CCS) हिन्दी की बैठक में गृहीत]

प्रथम छमाही

कोर्स-कोड : HIN0100104

कोर्स का नाम : हिन्दी सम्प्रेषण

कोर्स-लेवल : 100-199

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. सम्प्रेषण की अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व और भाषा के साथ उसके अंतर्संबंध को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. लिखित सम्प्रेषण के अन्तर्गत अनौपचारिक पत्र-लेखन, सम्पादक को पत्र, निबन्ध-लेखन, संवाद-लेखन एवं मुहावरे, लोकोक्तियाँ, सारांश-लेखन आदि के सम्बन्ध में पूर्व-ज्ञान का स्मरण कर पायेंगे ।

3. पठन-श्रवण हेतु निर्धारित लिखित सामग्री का पाठ कर उच्चारण की शुद्धता सुनिश्चित कर पायेंगे ।

4. हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताओं के सैद्धांतिक ज्ञान को मौखिक और लिखित सम्प्रेषण के व्यावहारिक अनुप्रयोग में ला पायेंगे ।

5. हिन्दी भाषा की अखिल भारतीय आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक संदर्भों में अपनी हिन्दी-सम्प्रेषण-क्षमता को विकसित कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)

1	**1**	**सम्प्रेषण –** अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व; भाषा एवं सम्प्रेषण; हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताएँ	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	**मौखिक सम्प्रेषण –** अभिवादन; अपना परिचय-प्रदान; दूसरे की परिचय-प्राप्ति; आत्मीय-जनों एवं मित्र-मंडली के साथ वार्तालाप; अपरिचित-जनों के साथ बातचीत; सामग्रियों के क्रय-विक्रय, यातायात-परिवहन, कार्यालय, बैंक-डाकघर आदि में सम्बद्ध जनों से विचार-विनिमय/वार्तालाप; साक्षात्कार का सामना कैसे करें– जैसे मौखिक सम्प्रेषण के विविध प्रसंग	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	**लिखित सम्प्रेषण –** अनौपचारिक/पारिवारिक पत्र-लेखन, आवेदन-पत्र-लेखन, सम्पादक के नाम पर पत्र-लेखन, निबन्ध-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	**(क) पठन-श्रवण (केवल आंतरिक परीक्षण के लिए) – मातृभूमि** (मैथिलीशरण गुप्त), **पुष्प की अभिलाषा** (माखनलाल चतुर्वेदी), **झाँसी की रानी** (सुभद्रा कुमारी चौहान), **जनतंत्र का जन्म** (रामधारी सिंह दिनकर), **दो बैलों की कथा** (कहानी), **अशोक के फूल** (निबन्ध) **(ख)** मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पल्लवन, संक्षेपण, अपठित गद्यांश और प्रश्नोत्तर	**15**	**25 (15+10)**

<u>द्रष्टव्य</u> : *आंतरिक परीक्षण के अंतर्गत इकाई **4 (क)** से **10** अंक के लिए मौखिकी रहेगी जिसके तहत निर्धारित लिखित सामग्री के पठन, बातचीत, समूह-चर्चा आदि की व्यवस्था होगी। शेष **30** अंक के लिए सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि की व्यवस्था रहेगी।*

<u>निर्धारित एवं सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *राष्ट्रवाणी* – प्रो॰ वासुदेव सिंह (सम्पा॰), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

2. *कृति कथाएँ* – डॉ॰ शुकदेव सिंह (सम्पा॰), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. *अशोक के फूल* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

5. *मानक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना* – श्यामजी गोकुल वर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।

6. *सम्प्रेषण कला* – अरुण चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

7. *हिन्दी भाषा सम्प्रेषण और संचार* – अनिरुद्ध कुमार सुधांशु एवं महांथी प्रसाद यादव, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

8. *सम्प्रेषण कला* – डॉ॰ बलबीर कुंदरा एवं महेन्द्र प्रताप सिंह, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।

9. *सम्प्रेषण : चिन्तन और दक्षता* – डॉ॰ मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

द्वितीय छमाही

कोर्स-कोड : HIN0200104

कोर्स का नाम : हिन्दी व्याकरण

कोर्स-लेवल : 100-199

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. हिन्दी की आर्थी-संरचना के विभिन्न रूपों की पहचान कर पायेंगे।

2. हिन्दी शब्द-रचना के अन्तर्गत संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग, वचन के नियमों से परिचित हो पायेंगे।

3. हिन्दी रूप-रचना के अन्तर्गत पद-विभाग, कारकीय रूप-रचना, क्रिया-रूप-रचना के नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कर पायेंगे।

4. हिन्दी वाक्य-रचना के सन्दर्भ में वाक्य-प्रकार, पदक्रम, व्याकरणिक अनुरूपता, वाक्य-शुद्धि आदि से सम्बन्धित नियमों का व्यावहारिक प्रयोग कर पायेंगे।

5. उच्चारण, शब्द-प्रयोग, वाक्य-निर्माण, व्यावहारिक प्रयोज्यता के लिए अर्थाभिव्यक्ति में सुधार आदि की पूर्ण समझ द्वारा गहन व्याकरण-सम्बन्धी ज्ञान विकसित कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**हिन्दी शब्द-रचना** – संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग, वचन	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	**हिन्दी रूप-रचना** – हिन्दी के पद-विभाग, कारकीय रूप-रचना, क्रिया-रूप-रचना	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	**हिन्दी वाक्य-रचना –** अर्थ एवं बनावट की दृष्टि से विविध प्रकार के वाक्यों की रचना, पदक्रम एवं अन्वय, वाक्य-परिवर्तन, वाक्य-शुद्धि	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	**हिन्दी की आर्थी संरचना –** एकार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द, विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	**15**	**25 (15+10)**

द्रष्टव्य : *आंतरिक परीक्षण के **अंतर्गत 10 अंक के लिए मौखिकी** रहेगी जिसके तहत आशु-भाषण एवं प्रश्नोत्तर की व्यवस्था होगी। शेष **30** अंक के लिए सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि की व्यवस्था रहेगी।*

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी व्याकरण* – पं॰ कामताप्रसाद गुरु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

3. *व्याकरण प्रदीप* – रामदेव एम.ए., राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली।

4. *मानक हिन्दी का पारंपरिक व्याकरण* – शुकदेव शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर।

5. *हिन्दी व्याकरण विमर्श* – तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. *नवशती हिन्दी व्याकरण* – बद्रीनाथ कपूर, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली।

तृतीय छमाही

कोर्स-कोड : HIN0300104

कोर्स का नाम : हिन्दी साहित्य का इतिहास

कोर्स-लेवल : 200-299

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. आदिकालीन साहित्य की विभिन्न उपधाराओं को वर्गीकृत कर उन पर चर्चा कर पायेंगे।

2. भक्तिकालीन साहित्य की विविध उपधाराओं यथा- सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य और कृष्णकाव्य के साम्य-वैषम्य को स्पष्ट कर पायेंगे।

3. रीतिकाव्य के प्रमुख रूपों को वर्गीकृत कर उन पर विवेचन कर पायेंगे।

4. आधुनिक हिन्दी कविता की विकास-यात्रा एवं खड़ीबोली गद्य के उद्भव-विकास का वर्गीकरण और विश्लेषण कर पायेंगे।

5. पुरानी और मध्यकालीन हिन्दी के विभिन्न रूपों जैसे-- अपभ्रंश-प्रभावित हिन्दी, डिंगल, मैथिली, अवधी, ब्रजभाषा एवं आधुनिक साहित्यिक अभिव्यक्ति की प्रमुख भाषा खड़ीबोली हिन्दी की भाषिक विशेषताओं का आकलन कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**आदिकाल –** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य	15	25 (15+10)
2	1	**भक्तिकाल –** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य	15	25 (15+10)

3	**1**	**रीतिकाल --** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्यधारा	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	**आधुनिक काल** -- सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, आधुनिक काव्यधारा का इतिहास: भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन, छायावादयुगीन, प्रगतिवादी, प्रयोगवादी, नयी कविता, साठोत्तरी कविता – सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ खड़ीबोली गद्य का उद्भव-विकास	**15**	**25 (15+10)**

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

2. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।

3. *हिन्दी साहित्य की भूमिका* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

4. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

5. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

6. *रीतिकाव्य की भूमिका* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

7. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

8. *हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास* – डॉ॰ तारकनाथ बाली, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

<u>तृतीय छमाही</u>

कोर्स-कोड : HIN0300204

कोर्स का नाम : भाषाविज्ञान

कोर्स-लेवल : 200-299

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे**:**

1. भाषा एवं भाषाविज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. अर्थ-परिवर्तन-संबंधी विविध विशेषताओं जैसे-- अनेकार्थक शब्द, एकमूलीय भिन्नार्थक शब्द, समध्वनीय भिन्नार्थक शब्द की पहचान कर पायेंगे ।

3. भाषाविज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे-- ध्वनिविज्ञान**,** रूपविज्ञान**,** वाक्यविज्ञान**,** अर्थविज्ञान का वर्गीकरण कर उन पर गहन विवेचन कर पायेंगे ।

4. भाषा के समुचित प्रयोग हेतु भाषाविज्ञान के अध्ययन के महत्व का आकलन कर पायेंगे ।

5. ध्वनिविज्ञान**,** रूपविज्ञान**,** वाक्यविज्ञान**,** अर्थविज्ञान के सन्दर्भ में हिन्दी और अन्य भाषाओं के भाषावैज्ञानिक अध्ययन हेतु तुलनात्मक शोध-दृष्टिकोण विकसित कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**(क) भाषा** -- व्युत्पत्तिपरक अर्थ**,** परिभाषा एवं मूलभूत बातें**,** विशेषताएँ**,** भाषा-परिवर्तन के कारण**,** भाषा-विभाषा-बोली **(ख) भाषाविज्ञान** -- परिभाषा**,** भाषावैज्ञानिक अध्ययन की पद्धतियाँ एवं प्रकार**,** अध्ययन के विभाग**,** साहित्य और व्याकरण के साथ भाषाविज्ञान का सम्बन्ध	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	**(क) ध्वनिविज्ञान** -- ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि-भेद, स्वर और व्यंजन ध्वनियों में अन्तर, विविध आधारों पर स्वर और व्यंजन ध्वनियों के वर्गीकरण, ध्वनि-परिवर्तन के कारण **(ख) रूपविज्ञान** -- शब्द और रूप, अर्थतत्व और संबंधतत्व, संबंधतत्वों के प्रकार और कार्य, रूप-परिवर्तन के कारण	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	**वाक्यविज्ञान** -- वाक्य की परिभाषा एवं मूलभूत बातें, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य के अंग, वाक्य-रचना में ध्यान देने योग्य बातें, वाक्य के प्रकार, वाक्य-परिवर्तन के	**15**	**25 (15+10)**

		कारण और दिशाएँ		
4	**1**	**अर्थविज्ञान** -- अर्थ की परिभाषा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ-बोध के साधन अर्थ-परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, अर्थ-परिवर्तन-सम्बन्धी विशेषताएँ-- अनेकार्थक शब्द, एकमूलीय भिन्नार्थक शब्द, समध्वनीय भिन्नार्थक शब्द	**15**	**25 (15+10)**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *भाषाविज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद ।

2. *भाषाविज्ञान की भूमिका* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना ।

3. *सामान्य भाषाविज्ञान* – डॉ॰ बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

4. *भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र* – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

चतुर्थ छमाही

कोर्स-कोड : HIN0400104

कोर्स का नाम : हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम

कोर्स-लेवल : 200-299

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. पत्रकारिता की अवधारणा, प्रमुख प्रकार, महत्व, भाषा एवं शैली तथा उसके बहुमुखी आयामों को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. विशेषतः भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन, छायावादयुगीन, छायावादोत्तर और समकालीन पत्रकारिता के सन्दर्भ में साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा, महत्व और प्रवृत्तियों की व्याख्या कर पायेंगे ।

3. सूचना के अधिकार के प्रावधानों, प्रेस की स्वतंत्रता की अवधारणा, प्रेस से सम्बन्धित क़ानूनों और आचार-संहिता से परिचित हो पायेंगे ।

4. प्रमुख हिन्दी समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं के साथ-साथ विशिष्ट हिन्दी पत्रकारों के योगदान का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर पायेंगे ।

5. सम्पादन, हिन्दी टंकण, ईमेल, पीपीटी आदि में दक्षता प्राप्त कर पत्रकारिता के व्यावहारिक अनुप्रयोग का परीक्षण कर पायेंगे एवं उसे आजीविका का माध्यम बना पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**पत्रकारिता :** अवधारणा, प्रमुख प्रकार, महत्व ; **पत्रकारिता के आयाम :** समाचार के स्रोत, समाचार-संकलन की विधियाँ, संवाददाता की कार्य-पद्धति एवं समाचार/रिपोर्ट-लेखन, स्तम्भ-व्यवस्था, शीर्षक-निर्माण, सामग्री-विभाजन, विशेषांक की तैयारी, स्तम्भ-लेखन, फ़ीचर-लेखन; सम्पादन-कला; पत्रकारिता की भाषा-शैली	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा एवं महत्व; भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन एवं छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय, प्रवृत्तियाँ और महत्व	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	छायावादोत्तर और समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय, प्रवृत्तियाँ और महत्व **हिन्दी के प्रसिद्ध पत्रकार :** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, बनारसीदास चतुर्वेदी **हिन्दी की प्रसिद्ध पत्र-पत्रिकाएँ :** उदन्त मार्तंड, सरस्वती, हंस, धर्मयुग, जनसत्ता और दैनिक पूर्वोदय	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	भारतीय संविधान-प्रदत्त सूचना का अधिकार, प्रेस की स्वतन्त्रता की अवधारणा, प्रेस-सम्बन्धी कानून और आचार-	**15**	**25 (15+10)**

		संहिता, हिन्दी का यांत्रिक प्रयोग : एम.एस.वर्ड, टंकण, ईमेल, पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन		

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *सिर्फ पत्रकारिता* – अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *हिन्दी पत्रकारिता* – कृष्ण बिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. *पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ* – पृथ्वीनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. *पत्रकारिता के नए आयाम* – एस.के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5. *हिन्दी पत्रकारिता : संवाद और विमर्श* – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. *हिन्दी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन* – तरुशिखा सुरजन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7. *पत्रकारिता और पत्रकारिता* – अरुण जैन, हिन्दी बुक सेंटर, आसफ अली रोड, नयी दिल्ली ।

8. *हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम* – वेद प्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

9. *साहित्यिक पत्रकारिता* – राममोहन पाठक, ज्ञानमंदन, वाराणसी ।

10. *समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे* -- राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

11. *बृहत हिन्दी पत्रकारिता कोश* – सूर्यप्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

12. *सम्पादन कला* -- पी. के. नारायण, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल ।

13. *जनसंचार के सामाजिक संदर्भ* -- जबरीमल पारख, हिन्दी बुक सेंटर, नयी दिल्ली ।

14. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

<u>चतुर्थ छमाही</u>

कोर्स-कोड : HIN0400204

कोर्स का नाम : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कोर्स-लेवल : 200-299

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यापक इतिहास को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. भारतीय काव्यशास्त्र के दो प्रमुख सिद्धान्तों-- रस एवं अलंकार का वर्गीकरण और विवेचन कर पायेंगे।

3. प्रमुख पश्चिमी साहित्यिक विचारधाराओं के साम्य-वैषम्य को स्पष्ट कर पायेंगे ।

4. प्रमुख पश्चिमी दार्शनिकों जैसे-- प्लेटो, अरस्तू, वड्र्सवर्थ, क्रोचे, टी.एस. इलियट द्वारा प्रतिपादित प्रमुख सिद्धान्तों का विश्लेषण कर पायेंगे ।

5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के गहन सैद्धांतिक ज्ञान की प्राप्ति द्वारा साहित्य की समीक्षा के लिए आवश्यकीय कौशल का विकास कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**(क)** काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन और काव्य-भेद **(ख) रस सिद्धान्त :** रस की अवधारणा, परिभाषा एवं स्वरूप; रस के अंग; रस-भेद; रस-निष्पत्ति और साधारणीकरण	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	**(क) अलंकार सिद्धान्त :** अलंकार की अवधारणा और परिभाषा; प्रमुख अलंकार– अनुप्रास, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, यमक, श्लेष, विरोधाभास, अतिशयोक्ति **(ख)** ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति और औचित्य की अवधारणा एवं इन सिद्धान्तों का सामान्य परिचय	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	**(क) प्लेटो :** काव्य-सत्य, काव्य-सृजन का दैवी-प्रेरणा सिद्धान्त **अरस्तू :** अनुकरण, विरेचन और त्रासदी सिद्धान्त **(ख) वड्र्सवर्थ :** काव्य-भाषा का सिद्धान्त **क्रोचे :** अभिव्यंजनावाद	**15**	**25 (15+10)**

4	**1**	**(क) टी.एस. इलियट :** परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त **(ख)** स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, प्रतीकवाद और अस्तित्ववाद **:** स्वरूप एवं महत्व	**15**	**25 (15+10)**

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *काव्यशास्त्र* – डॉ० भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

2. *काव्यदर्पण* – रामदहीन मिश्र, साहित्य भवन, इलाहावाद ।

3. *भारतीय काव्यशास्त्र* (भाग-**1** और भाग-**2**) – बलदेव उपाध्याय, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी ।

4. *रस-सिद्धान्त* – डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

5. *अलंकार धारणा : विकास और विश्लेषण* – शोभाकांत मिश्र, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना ।

6. *भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन* – डॉ० सत्यदेव चौधरी और डॉ० शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।

7. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र* – डॉ० भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

8. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

9. *पाश्चात्य साहित्य-चिंतन* – डॉ० निर्मला जैन और कुसुम बंठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

<u>चतुर्थ छमाही</u>

कोर्स-कोड : HIN0400304
कोर्स का नाम : प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद
कोर्स-लेवल : 200-299

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और महत्व को रेखांकित कर उसके विविध रूपों में अन्तर कर पायेंगे।

2. भारतीय संविधान में उल्लिखित हिन्दी-सम्बन्धी प्रावधानों से परिचित हो पायेंगे।

3. सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों में क्रियान्वित हिन्दी के कार्यात्मक पहलू का विश्लेषण कर पायेंगे एवं सरकारी पत्राचार के हिन्दी-अंग्रेज़ी पारस्परिक अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।

4. रोज़गार के सशक्त माध्यम के रूप में प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रचार-प्रसार का मूल्यांकन कर पायेंगे।

5. हिन्दी शब्दावली, आलेखन-टिप्पण, हिन्दी टंकण, विभिन्न यांत्रिक उपकरणों के प्रयोग से संबंधित ज्ञान की प्राप्ति कर कार्यालयीन हिन्दी-क्षेत्र में अपनी व्यावहारिक क्षमता का परीक्षण कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	प्रयोजनमूलक हिन्दी का आशय, स्वरूप एवं महत्व; हिन्दी भाषा के विविध प्रयोजनमूलक रूप : जनभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्कभाषा, शिक्षण-माध्यम भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	हिन्दी की संवैधानिक स्थिति : अनुच्छेद 343 एवं 351 में हिन्दी भाषा-संबंधी प्रावधान, राजभाषा अधिनियम-1963, राजभाषा अधिनियम (संशोधित)- 1967, राजभाषा नियम- 1976	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप एवं प्रक्रियाएँ; हिन्दी-अंग्रेजी में पारस्परिक अनुवाद : सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र, परिपत्र, कार्यालयी आदेश, ज्ञापन, अनुस्मारक, अधिसूचना, प्रेस-विज्ञप्ति, विज्ञापन	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	कार्यालयी प्रयोग के संदर्भ में विभागीय नामों, पदनामों, वाक्यांशों/टिप्पणियों के अंग्रेजी-हिन्दी प्रारूप; कार्यालयी प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का अनुप्रयोग :	**15**	**25 (15+10)**

		कंप्यूटर, लेपटॉप, टेबलेट, वीडियो कान्फ्रेंसिंग		

द्रष्टव्य : *आंतरिक परीक्षण के अन्तर्गत **10** अंक के लिए व्यावहारिक अनुवाद-कार्य सम्मिलित रहेगा। शेष **30** अंक सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि के लिए होंगे।*

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेन्दु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।

3. *राजभाषा हिन्दी* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

4. *राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम* – डॉ॰ मलिक मोहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *राजभाषा प्रबंधन* – देशपाल सिंह राठौर, रचना पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

6. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* – प्रो॰ विराज, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।

7. *व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।

8. *कार्यालय सहायिका* – हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली।

9. *कार्यालय प्रवीणता* – हरिबाबू कंसल, सुधांशु बंधु, नयी दिल्ली।

चतुर्थ छमाही

कोर्स-कोड : HIN0400404

कोर्स का नाम : अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार

कोर्स-लेवल : 200-299

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. अनुवाद की व्युत्पत्ति, अवधारणा और महत्व को रेखांकित कर उसकी प्रक्रिया के प्रमुख चरणों से परिचित हो पायेंगे।

2. विभिन्न आधारों पर अनुवाद के विविध प्रकारों को वर्गीकृत कर उन पर चर्चा कर पायेंगे ।

3. कविता, नाटक और कथा-साहित्य के अनुवाद के सन्दर्भ में अवधारणा, विशेषताओं और व्यावहारिक समस्याओं का विश्लेषण कर पायेंगे ।

4. हिन्दी कविता, नाटक, उपन्यास और कहानी के अंशों का अंग्रेजी और असमीया में अनुवाद एवं वैज्ञानिक साहित्य, विधि साहित्य, पारिभाषिक शब्दावली, लोकोक्ति-मुहावरों का अंग्रेज़ी-हिन्दी पारस्परिक अनुवाद करने की व्यावहारिक क्षमता का परीक्षण कर पायेंगे ।

5. रोज़गार के सशक्त माध्यम के रूप में अनुवाद की उपादेयता का मूल्यांकन कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	'अनुवाद' शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ; अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप, प्रक्रिया (अर्थ-बोध, विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन), महत्व; अनुवाद क्या है-- शिल्प, कला या विज्ञान? अनुवादक के गुण	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	अनुवाद के प्रकार : गद्यत्व-पद्यत्व के आधार पर, साहित्यिक विधा के आधार पर, अनुवाद की प्रकृति के आधार पर (शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, आदर्श अनुवाद, रूपान्तरण, आशु अनुवाद)	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	काव्यानुवाद, नाटकानुवाद, कथानुवाद : स्वरूप, विशेषताएँ और समस्याएँ; हिन्दी कविता, नाटक, उपन्यास और कहानी के अंशों का अंग्रेजी एवं असमीया में अनुवाद	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	अंग्रेजी-हिन्दी के परिप्रेक्ष्य में : वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, विधि साहित्य का अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद, लोकोक्ति-मुहावरों का अनुवाद और मशीनी अनुवाद	**15**	**25 (15+10)**

द्रष्टव्य : *आंतरिक परीक्षण के अन्तर्गत **10** अंक के लिए व्यावहारिक अनुवाद-कार्य सम्मिलित रहेगा। शेष **30** अंक सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि के लिए होंगे।*

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *अनुवाद-सुधा (भाग-1)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।

3. *अनुवाद-सुधा (भाग-2)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।

4. *अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार* – डॉ॰ जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *अनुवाद-बोध* – डॉ॰ गार्गी गुप्ता (प्रधान संपा), भारतीय अनुवाद परिषद, नयी दिल्ली।

6. *अनुवाद कला* – डॉ॰ एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

7. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

8. *अनुवाद-शतक (खण्ड-2)* – नीना गुप्ता (प्रधान संपा.), भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली।

पंचम छमाही

कोर्स-कोड : HIN0500104
कोर्स का नाम : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता
कोर्स-लेवल : 300-399

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. निर्धारित कवियों के पाठों के आधार पर आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन काव्य की भावपक्षीय एवं कलापक्षीय विशेषताओं की पहचान कर पायेंगे।

2. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के उद्भव-विकास को रेखांकित कर अवधी, ब्रजभाषा, मैथिली आदि प्रमुख हिन्दी बोलियों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे ।

3. आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन काव्य में प्रतिबिम्बित जीवन-बोध, सामाजिक-राजनीतिक और साहित्यिक चेतना का विवेचन कर पायेंगे ।

4. सरहपाद, गोरखनाथ, चंदबरदाई, विद्यापति, कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीराँबाई, बिहारी, पद्माकर, भूषण, घनानन्द की काव्य-कला और साहित्यिक देन का आलोचनात्मक विश्लेषण कर पायेंगे ।

5. आधुनिक समय में आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन काव्य की प्रासंगिकता का आकलन कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *आदिकालीन काव्य* -- डॉ॰ वासुदेव सिंह (संपा॰), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी **सरहपाद** (दोहाकोश : 1-7), **गोरखनाथ** (सबदी : 1-7) **चंदबरदाई** (पद्मावती समय – छन्द : 62-71)	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *विद्यापति* -- डॉ॰ आनन्द प्रकाश दीक्षित (संपा॰), साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर **विद्यापति** (पद 1-6) निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *मध्ययुगीन काव्य* -- डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा॰), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली **कबीर** (साखी-- 1-8), **जायसी** (नागमती वियोग खण्ड)	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *मध्ययुगीन काव्य* -- डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा॰), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली **सूरदास** (विनय, बाल-वर्णन), **तुलसी** (पुष्पवाटिका प्रसंग) निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *मीराँबाई की पदावली* – आचार्य	**15**	**25 (15+10)**

		परशुराम चतुर्वेदी (संपा॰), हिन्दी साहित्य सदन, प्रयाग। **मीराँबाई** (पद **1-8**)		
4	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *रीतिकाव्य-संग्रह* -- डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा॰), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद **बिहारी** (दोहा **1-6**), **पद्माकर** (पद **4, 5, 6, 7**), **भूषण** (पद **1-4**), **घनानन्द** (पद **2, 3, 4, 5**)	**15**	**25 (15+10)**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *आदिकालीन और मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ* – हेमन्त कुकरेती, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *नाथ सम्प्रदाय* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. *संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं डॉ॰ नामवर सिंह (संपा.), साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।

4. *विद्यापति* -- शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

5. *कबीर-मीमांसा* – डॉ॰ रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. *जायसी : एक नयी दृष्टि* – डॉ॰ रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

7. *सूर और उनका साहित्य* – डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।

8. *गोस्वामी तुलसीदास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली।

9. *मीरा का काव्य* – विश्वनाथ त्रिपाठी, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली।

10. *बिहारी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

11. *भूषण और उनका साहित्य* -- डॉ॰ राजमल बोरा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

12. *घनानन्द का साहित्यिक अवदान* – डॉ॰ हनुमंत रणखांब, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

पंचम छमाही

कोर्स-कोड : HIN0500204
कोर्स का नाम : आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)
कोर्स-लेवल : 300-399

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. निर्धारित कवियों के पाठों के आधार पर भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन और छायावादयुगीन काव्य की भावपक्षीय एवं कलापक्षीय विशेषताओं की पहचान कर पायेंगे ।

2. भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन और छायावादयुगीन काव्य में प्रतिबिम्बित सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक युगबोध का विवेचन कर पायेंगे ।

3. भारतेन्दु, मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा, हरिवंशराय 'बच्चन' की काव्य-कला और साहित्यिक देन का आलोचनात्मक विश्लेषण कर पायेंगे।

4. आधुनिक समय में भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन और छायावादयुगीन काव्य की प्रासंगिकता का आकलन कर पायेंगे ।

5. कविता-लेखन की कला का विकास कर सर्जनात्मक संभावनाओं का अन्वेषण कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *आधुनिक काव्य संग्रह – रामवीर सिंह* (संपा॰), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी **भारतेन्दु** (भारत वीरत्व, यमुना-शोभा) निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *राष्ट्रवाणी* – डॉ॰ वासुदेव सिंह (संपा॰), संजय बुक सेंटर, वाराणसी **मैथिलीशरण गुप्त** (मातृभूमि, मनुष्यता, हमारी सभ्यता)	15	25 (15+10)
2	1	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *हिन्दी काव्य सुधा* – प्रो॰ भूपेन	15	25

		रायचौधुरी (संपा॰), गौहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन **हरिऔध** (पवन दूत, आँख का आँसू) **बाबू जयशंकर प्रसाद :** *कामायनी,* भारती भण्डार, इलाहाबाद पाठ : चिन्ता सर्ग		**(15+10)**
3	**1**	**सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' :** *अपरा,* राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली पाठ : राम की शक्ति-पूजा निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *छायावाद के प्रतिनिधि कवि*-- डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा॰), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी **सुमित्रानन्दन पन्त** (मौन-निमंत्रण, परिवर्तन, नौका-विहार)	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *छायावाद के प्रतिनिधि कवि*-- डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा॰), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी **महादेवी वर्मा** (जीवन विरह का जलजात, मैं नीर भरी दुख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, सब आँखों के आँसू उजले) **हरिवंशराय 'बच्चन' :** *मेरी श्रेष्ठ कविताएँ,* राजपाल एंड सन्स, नयी दिल्ली पाठ : मधुबाला, अग्निपथ ! अग्निपथ ! अग्निपथ !, चेतावनी	**15**	**25 (15+10)**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *आधुनिक हिन्दी कविता* – डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

2. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

3. *मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत* -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

4. *हरिऔध के काव्य में राष्ट्रीयता एवं सामाजिकता* – डॉ॰ मंजु तरडेजा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

5. *कामायनी : एक पुनर्विचार* – गजानन माधव 'मुक्तिबोध', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

6. *निराला की साहित्य-साधना* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

7. *कवि सुमित्रानन्दन पन्त* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।

8. *महादेवी* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

9. *बच्चन : जीवन और काव्य* – नवल किशोर भाभड़ा, भारती प्रकाशन, गाज़ियाबाद ।

10. *प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण* – रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

11. *छायावाद की परिक्रमा* -- श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

पंचम छमाही

कोर्स-कोड : HIN0500304

कोर्स का नाम : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

कोर्स-लेवल : 300-399

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. निर्धारित पाठों के आधार पर छायावादोत्तर काव्य की भावपक्षीय एवं कलापक्षीय विशेषताओं की पहचान कर पायेंगे ।

2. छायावादोत्तर काव्य के विभिन्न पड़ावों जैसे-- प्रगतिवादी, प्रयोगवादी, नयी कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता में प्रतिबिम्बित सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक युगबोध का विवेचन कर पायेंगे ।

3. दिनकर, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, अज्ञेय, शमशेर बहादुर सिंह, भवानीप्रसाद मिश्र, धूमिल, रघुवीर सहाय, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, लीलाधर जगूड़ी, अरुण कमल, विनोद कुमार शुक्ल की काव्य-कला और साहित्यिक देन का आलोचनात्मक विश्लेषण कर पायेंगे ।

4. आधुनिक समय में छायावादोत्तर काव्य की प्रासंगिकता का आकलन कर पायेंगे ।

5. कविता-लेखन की कला का विकास कर सर्जनात्मक संभावनाओं का अन्वेषण कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *आधुनिक काव्यधारा*-- डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा॰), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी **दिनकर** (हिमालय, नारी) निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *छायावादोत्तर काव्य-संग्रह* -- डॉ॰ रामनारायण शुक्ल और डॉ॰ श्रीनिवास पाण्डेय (संपा॰), संजय बुक सेंटर, वाराणसी **नागार्जुन** (बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद), **केदारनाथ अग्रवाल** (चन्द्र गहना से लौटती बेर, मैंने उसको)	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *छायावादोत्तर काव्य-संग्रह* -- डॉ॰ रामनारायण शुक्ल और डॉ॰ श्रीनिवास पाण्डेय (संपा॰), संजय बुक सेंटर, वाराणसी **अज्ञेय** (कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, साँप), **शमशेर बहादुर सिंह** (बात बोलेगी, एक पीली शाम), **भवानीप्रसाद मिश्र** (गीत फ़रोश, बूँद टपकी एक नभ से)	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *छायावादोत्तर काव्य-संग्रह* -- डॉ॰ रामनारायण शुक्ल और डॉ॰ श्रीनिवास पाण्डेय (संपा॰), संजय बुक सेंटर, वाराणसी **धूमिल** (मोचीराम, रोटी और संसद), **रघुवीर सहाय** (नेता क्षमा करें, हँसो हँसो जल्दी हँसो), **सर्वेश्वरदयाल सक्सेना** (दुःख, भूख)	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *समकालीन कविता* -- डॉ॰ मालती तिवारी (संपा॰), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी **लीलाधर जगूड़ी** (अंतर्देशीय, स्त्री प्रत्यय)	**15**	**25 (15+10)**

		अरुण कमल : *अपनी केवल धार*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली पाठ : धार, यात्रा **विनोद कुमार शुक्ल :** *कभी के बाद अभी*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली पाठ : अगर रोज कर्फ्यू के दिन हों, अभी तक बारिश नहीं हुई		

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *आधुनिक कविता यात्रा* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *समकालीन हिन्दी कविता* – ए. अरविन्दाक्षण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

3. *समकालीन हिन्दी कविता के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर* – डॉ॰ सरजू प्रसाद मिश्र, अमन प्रकाशन, कानपुर ।

4. *दिनकर : अर्धनारीश्वर कवि* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

5. *नागार्जुन और उनकी कविता* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

6. *कवि केदारनाथ अग्रवाल* – डॉ॰ धी. के. रामचन्द्रन, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

7. *कवि अज्ञेय* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

8. *भवानीप्रसाद मिश्र की कविता : रचना-दृष्टि, संवेदना और शिल्प* – डॉ॰ अश्विनी कुमार शुक्ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर

9. *धूमिल और उनका काव्य-संघर्ष* – डॉ॰ ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10. *रघुवीर सहाय की कविता : चिन्तन एवं शिल्प* – डॉ॰ उषा मिश्र, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

11. *सर्वेश्वर : सौन्दर्य और प्रेम* – डॉ॰ रामशंकर त्रिपाठी, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

12. *समकालीन कवि लीलाधर जगूड़ी* – डॉ॰ अंजली चौधरी, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

13. *अरुण कमल एवं समकालीन हिन्दी कविता* – डॉ॰ प्राची शर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

षष्ठ छमाही

कोर्स-कोड : HIN0600104
कोर्स का नाम : हिन्दी कहानी साहित्य
कोर्स-लेवल : 300-399

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. हिन्दी कहानी साहित्य के उद्भव एवं विकास को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. निर्धारित 15 कहानियों को तत्त्वों और प्रकारों के आधार पर विश्लेषित कर पायेंगे ।

3. निर्धारित कहानियों में प्रतिबिम्बित सामाजिक सचेतनता, जीवन-बोध और आधुनिकता का विवेचन कर पायेंगे ।

4. निर्धारित कहानीकारों के वैविध्यपूर्ण कथा-शिल्प का आलोचनात्मक आकलन कर पायेंगे ।

5. कहानी-लेखन की कला का विकास कर सर्जनात्मक संभावनाओं का अन्वेषण कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**कहानी :** परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार, हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	**एक टोकरी भर मिट्टी** (माधवराव सप्रे), **चंद्रदेव से मेरी बातें** (बंग महिला), **कानों में कंगना** (राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह), **पूस की रात** (प्रेमचन्द), **कहानी का प्लॉट** (शिवपूजन सहाय)	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	**पुरस्कार** (जयशंकर प्रसाद), **गैंग्रीन** (अज्ञेय), **कवि की स्त्री** (सुदर्शन), **परदा** (यशपाल), **अपना-अपना भाग्य** (जैनेन्द्र कुमार)	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	**चीफ की दावत** (भीष्म साहनी), **भोलाराम का जीव**	**15**	**25**

		(हरिशंकर परसाई), **पिता** (ज्ञानरंजन), **वापसी** (उषा प्रियंवदा), **कोसी का घटवार** (शेखर जोशी)		**(15+10)**

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें एवं ऑनलाइन लिंक्स</u> :

1. *कहानी : नई कहानी* – डॉ॰ दिनेश प्रसाद सिंह (संपा.), मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

2. *चन्द्रदेव से मेरी बातें* (बंग महिला) -- ***https://www.bharatdarshan.co.nz/magazine/literature/1193/chandradev-se-meri-baatein-bangmahila.html***

3. *कानों में कंगना (राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह)* – ***https://www.hindisamay.com/contentDetail.aspx?id=2196&pageno=1***

4. *कथा वीथी* – डॉ॰ प्रेमनारायण शुक्ल (संपा.), ग्रंथम, कानपुर ।

5. *श्रेष्ठ कहानियाँ* – डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. *कहानी का प्लॉट* (शिवपूजन सहाय) – ***http://surl.li/qqstd***

7. *प्रतिनिधि कहानियाँ* – डॉ॰ बच्चन सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।

8. *हिन्दी कहानी कुंज* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मन, मनोज प्रकाशन, गुवाहाटी ।

9. *कहानी कुंज* – डॉ॰ उमाकान्त 'शास्त्री' (संपा.), जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10. *एक दुनिया : समानान्तर* – राजेन्द्र यादव (संपा.), राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

11. *अज्ञेय की सम्पूर्ण कहानियाँ*, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली ।

12. *नागर-कथाएँ* – डॉ॰ बालेन्दु शेखर तिवारी, अमन प्रकाशन, कानपुर ।

13. *कवि की स्त्री (सुदर्शन)* -- ***https://hindikahani.hindi-kavita.com/HK-Sudarshan.php***

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी कहानी की विकास-प्रक्रिया* – आनन्द प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *नयी कहानी की भूमिका* – कमलेश्वर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

3. *हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान* – डॉ॰ रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

4. *हिन्दी कहानी के आन्दोलन : उपलब्धियाँ और सीमाएं* – रजनीश कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

5. *कहानीकार प्रेमचन्द : रचना-दृष्टि और रचना-विधान* – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. *कहानीकार अज्ञेय : सन्दर्भ और प्रकृति* – डॉ॰ चन्द्रभानु सोनवणे, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

7. *यशपाल का कहानी-संसार : एक अंतरंग परिचय* – सी.एम. योहन्नान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

8. *कहानीकार जैनेन्द्र* – डॉ॰ सी. सक्कर मेहेर, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

9. *भीष्म साहनी का साहित्य* – डॉ॰ प्रमोद कोवव्रत, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

10. *व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई* – डॉ॰ भरत पटेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

11. *कहानीकार शेखर जोशी और नयी कहानी* – डॉ॰ उपेन्द्र कुमार चंदेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

षष्ठ छमाही

कोर्स-कोड : HIN0600204
कोर्स का नाम : हिन्दी उपन्यास साहित्य
कोर्स-लेवल : 300-399

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 60
आंतरिक परीक्षण : 40
सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4
व्यावहारिक क्रेडिट : 0
आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**
अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे **:**

1. हिन्दी उपन्यास साहित्य के उद्भव एवं विकास को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. निर्धारित उपन्यासों को तत्त्वों और प्रकारों के आधार पर विश्लेषित कर पायेंगे ।

3. निर्धारित उपन्यासों के परिप्रेक्ष्य में स्वतंत्रता-पूर्व और स्वातंत्रयोत्तर भारतीय समाज की पैचीदगियों का विवेचन कर पायेंगे ।

4. निर्धारित उपन्यासों के सन्दर्भ में मुंशी प्रेमचन्द, रांगेय राघव और चित्रा मुद्गल के वैविध्यपूर्ण कथा-शिल्प का आलोचनात्मक आकलन कर पायेंगे ।

5. उपन्यास-लेखन की कला का विकास कर सर्जनात्मक संभावनाओं का अन्वेषण कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**उपन्यास :** परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार, हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	**गोदान :** मुंशी प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	**लोई का ताना :** रांगेय राघव, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	**पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा :** चित्रा मुद्गल, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली	**15**	**25 (15+10)**

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी उपन्यास का इतिहास* – डॉ॰ गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा* -- डॉ॰ रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

3. *आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सृजन और आलोचना* – डॉ॰ चन्द्रकान्त बांदिबडेकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

4. *प्रेमचन्द* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *प्रेमचन्द और उनका गोदान* -- बलदेव कृष्ण शास्त्री, ओरिएंटल बुक डिपो, दिल्ली।

6. *हिन्दी के जीवनीपरक उपन्यासों की परंपरा में रांगेय राघव के जीवनीपरक उपन्यास : एक अध्ययन* -- डॉ सूर्यकांत सगर, चिंतन प्रकाशन, कानपुर, उत्तर प्रदेश।

7. *पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा : कथ्यगत विश्लेषण* – डॉ॰ अशफाक़ इब्राहिम सिकलगर, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली।

<u>षष्ठ छमाही</u>

कोर्स-कोड : HIN0600304

कोर्स का नाम : हिन्दी नाट्य साहित्य

कोर्स-लेवल : 300-399

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे **:**

1. हिन्दी नाटक एवं एकांकी साहित्य के उद्भव एवं विकास को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. निर्धारित नाटकों और एकांकियों को क्रमशः उनके तत्त्वों और प्रकारों के आधार पर विश्लेषित कर पायेंगे ।

3. निर्धारित नाटकों और एकांकियों में प्रतिबिम्बित सामाजिक सचेतनता, जीवन-बोध और आधुनिकता का विवेचन कर पायेंगे ।

4. निर्धारित नाटककारों और एकांकीकारों के कला-कौशल का आलोचनात्मक आकलन कर पायेंगे ।

5. नाटक एवं एकांकी-लेखन की कला का विकास कर सर्जनात्मक संभावनाओं का अन्वेषण कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**(क) नाटक एवं एकांकी :** परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, नाटक एवं एकांकी में अन्तर, हिन्दी नाटक एवं एकांकी की विकास-यात्रा **(ख) अंधेर नगरी :** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, डॉ॰ ब्रजकुमार मित्तल (संपा॰), जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	**चन्द्रगुप्त :** बाबू जयशंकर प्रसाद, भारती भण्डार, इलाहाबाद	**15**	**25 (15+10)**

3	**1**	**एक और द्रोणाचार्य :** शंकरशेष, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	**एकांकी :** निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *श्रेष्ठ एकांकी* – डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली **चारुमित्रा** (डॉ॰ रामकुमार वर्मा), **यह स्वतन्त्रता का युग** (उदयशंकर भट्ट) निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *छोटे नाटक* – डॉ॰ शुकदेव सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी **विषकन्या** (गोविन्द वल्लभ पन्त) निर्धारित पाठ्य-पुस्तक : *नए एकांकी* – अज्ञेय (संपा.), राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली **भोर का तारा** (जगदीशचन्द्र माथुर)	**15**	**25 (15+10)**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी नाटक* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास* – डॉ॰ दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

3. *समकालीन हिन्दी नाटक* – नरनारायण राय, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।

4. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का रचना-संसार : एक पुनर्मूल्यांकन* – डॉ॰ वीरेन्द्र सिंह यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।

5. *नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना* – सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

6. *प्रसाद का चन्द्रगुप्त : एक अनुशीलन* – शैलजा भारद्वाज, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

7. *प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय चेतना* – डॉ॰ रवीन्द्र कुमार ब्रजवासी, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

8. *एक और द्रोणाचार्य : एक विश्लेषण* – डॉ॰ भगवतीप्रसाद उपाध्याय, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली।

9. *डॉ॰ शंकर शेष-कृत 'एक और द्रोणाचार्य' का रचना-विधान* – डॉ॰ शैलेश एम. पटेल, रावत पब्लिकेशन, राजस्थान।

10. *हिन्दी एकांकी* – सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

11. *एकांकी और एकांकीकार* – रामचरण महेन्द्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

षष्ठ छमाही

कोर्स-कोड : HIN0600404

कोर्स का नाम : हिन्दी निबन्ध, आलोचना, संस्मरण एवं रेखाचित्र

कोर्स-लेवल : 300-399

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 60

आंतरिक परीक्षण : 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4

व्यावहारिक क्रेडिट : 0

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :

प्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 60**

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ **: 0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स का अध्ययन करके हिन्दी के विद्यार्थीगण निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

1. हिन्दी गद्य साहित्य की विविध विधाओं जैसे-- निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र के उद्भव एवं विकास को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. निर्धारित पाठों को क्रमशः निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र के तत्त्वों और प्रकारों के आधार पर विश्लेषित कर पायेंगे ।

3. प्रमुख आलोचक-विद्वानों जैसे-- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी और डॉ॰ रामविलास शर्मा के समीक्षा-सिद्धान्तों का आकलन कर उनकी तुलना कर पायेंगे ।

4. निर्धारित पाठों के आधार पर निर्धारित साहित्यकारों की वैविध्यपूर्ण शिल्प-कला का आलोचनात्मक आकलन कर पायेंगे ।

5. भविष्य के शोध-अवसरों के लिए आवश्यकीय आलोचनात्मक क्षमता का विकास कर पायेंगे तथा निबन्ध-लेखन, संस्मरण-लेखन, रेखाचित्र-लेखन की कला का विकास कर सर्जनात्मक संभावनाओं का अन्वेषण कर पायेंगे ।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक

				परीक्षण)
1	**1**	**निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र :** परिभाषा, प्रकार एवं तत्त्व, हिन्दी निबन्ध एवं आलोचना का उद्भव और विकास	**15**	**25 (15+10)**
2	**1**	**मजदूरी और प्रेम** (सरदार पूर्ण सिंह), **श्रद्धा-भक्ति** (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), **भारतीय संस्कृति की देन** (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), **शिवजी की बारात** (विद्यानिवास मिश्र), **यथातो घुमक्कड़-जिज्ञासा** (राहुल सांकृत्यायन)	**15**	**25 (15+10)**
3	**1**	**हिन्दी के प्रमुख आलोचक --** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ॰ रामविलास शर्मा **:** देन एवं आलोचना-दृष्टि	**15**	**25 (15+10)**
4	**1**	**तुम्हारी स्मृति** (माखनलाल चतुर्वेदी), **भक्तिन** (महादेवी वर्मा), **सुभान खाँ** (रामवृक्ष बेनीपुरी), **पीपल** (अज्ञेय), **शरत : एक याद** (अमृतलाल नागर)	**15**	**25 (15+10)**

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u> :

1. *हिन्दी निबन्ध* – डॉ॰ शिव प्रसाद सिंह (संपा.), हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

2. *चिन्तामणि (पहला भाग)* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस (पब्लिकेशन्स), प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग।

3. *अशोक के फूल* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. *विद्यानिवास मिश्र के ललित निबन्ध* – भोलाभाई पटेल एवं रामकुमार गुप्त (संपा.), जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

5. *समय के पाँव* -- माखनलाल चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।

6. *रेखाचित्र* -- महादेवी वर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।

7. *संस्मरण और रेखाचित्र* – उर्मिला मोदी (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।

8. *हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र* – डॉ॰ चौथीराम यादव (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी निबन्धकार* – प्रो॰ जयनाथ 'नलिन', आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली।

2. *गद्य आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ* – डॉ॰ उदयभानु सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

3. *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का गद्य-साहित्य* – अशोक सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. *ललित निबन्ध* – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

5. *विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में सांस्कृतिक चेतना* – डॉ॰ अभिलाषा ठाकुर, विनय प्रकाशन, कानपुर।

6. *हिन्दी आलोचना* – डॉ॰ विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

7. *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

8. *सांस्कृतिक आलोचना और हजारीप्रसाद द्विवेदी* – प्रो॰ रामकिशोर शर्मा (संपा.), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9. *डॉ॰ रामविलास शर्मा की साहित्यिक आलोचना* – डॉ॰ मंजुनाथ के., अमन प्रकाशन, कानपुर ।

10. *संस्मरण साहित्य विधा : शास्त्र और इतिहास* – डॉ॰ बापूराव देसाई, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

11. *अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन* – डॉ॰ केदार शर्मा, अनुपम प्रकाशन, जयपुर ।